व्यापार

कोरोना संक्रमण से इलाज के लिए 31 जुलाई तक मिले 1300 करोड़ रुपए के 80 हजार से ज्यादा क्लेम

नई दिल्ली, 5 अगस्त (ए)। देश में कोरोना संक्रमितों की संख्या बढ़ते के साथ ही हेल्थ इंश्योरेंस क्लेम में भी बढ़ोतरी हुई है। जनरल इंश्योरेंस काउंसिल के अनुसार जुलाई महीने के अंतिम सप्ताह तक कुल 1,300 करोड़ रुपए के राशि के लिए 80 हजार से ज्यादा क्लेम आए हैं। ये आंकड़ा जून महीने से करीब 3 गुना ज्यादा है। कोरोना के कारण देश में लगातार इंश्योरेंस क्लेम करने वालों की संख्या बढ़ रही है। महाराष्ट्र में आ रहे सबसे ज्यादा क्लेम इनमें सबसे ज्यादा 35 हजार दावे महाराष्ट्र में वहीं एनसीआर (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र) में 9300 दावे आए हैं। तमिलनाडु में इस दौरान 9500 क्लेम आए हैं। ये आंकड़े 31 जुलाई तक के हैं। 19 जून तक आए थे 18,100 क्लेम काउंसिल के अनुसार कोरोना काल में बीमाधारकों के कोविड -19 के इलाज के लिए 19 जून तक 281 करोड़ रुपए की राशि के लिए 18,100 से अधिक दावे (क्लेम) मिले थे। तब भी सबसे ज्यादा 8,950 दावे महाराष्ट्र में ही आए थे। 6 लाख रुपए तक के आ रहे क्लेम बीमा कंपनियों के अनुसार शहरी क्षेत्रों में औसत 1.5 लाख रुपए और अर्ध-शहरी या ग्रामीण क्षेत्रों में 50,000-75,000 रुपए के क्लेम मिले हैं। जहां मरीज की हालत गंभीर है और उसे आईसीयू में भर्ती कराया गया है, वहां दावा 8 लाख रुपए तक जा रहे हैं। देश की सबसे बड़ी बीमा कंपनी एलआईसी के पास जुलाई महीने के अंत तक 561 डेथ क्लेम आए हैं जिनकी राशि 26.74 करोड़ रुपए है।

अमेजन प्राइम डे सेल-में होंगे स्टार्टअप और एमएसएमई के 1000 नए प्रोडक्ट्स

नई दिल्ली, 5 अगस्त (ए)। ऑनलाइन सेलिंग साइट अमेजन.इन पर जल्द ही सेल शुरू होने वाली है। इस सेल में स्मार्टफोन और टीवी पर 60 प्रतिशत का डिस्काउंट मिलेगा। अमेजन पर 100 से अधिक लघु एवं मझोले उपक्रम (एसएमई) और स्टार्टअप कंपनियां प्राइम डे पर 17 अलग-अलग कैटेगरीज में 1,000 से अधिक नए प्रोडक्ट्स पेश करेंगी। अमेजन ने बयान में कहा है कि प्राइम डे पर हजारों स्थानीय दुकानें भी पहली बार उसके प्लेटफॉर्म पर अपने उत्पाद पेश करेंगी। बयान में कहा गया है कि अमेजन लॉन्च पैड कार्यक्रम के तहत स्टार्टअप कंपनियां और एमएसएमई अपने खास प्रोडक्ट को पेश करने जा रहे हैं। इन उत्पादों में हेल्थ एवं पर्सनल केयर, किराना और घरेलू प्रोडक्ट्स शामिल हैं। इसके अलावा प्राइम डे पर कारीगर और महिला आंत्रप्रेन्योर भी उत्पादों की पेशकश करेंगे। अमेजन प्राइम डे सेल अगले महीने में 6 अगस्त से शुरू होकर 7 अगस्त तक चलेगा। प्राइम डे सेल हर साल होती है और इसे खासतौर पर अमेजन प्राइम सब्सक्राइबर्स के लिए किया जाता है। अमेजन प्राइम डे सेल में हिस्सा लेने के लिए प्राइम मेंबरशिप होना जरूरी है। यह मेंबरशिप 999 रुपए प्रति साल या 129 रुपए महीने में ली जा सकती है। इस मेंबरशिप में फ्री फास्ट डिलिवरी के साथ ही प्राइम विडियो, प्राइम म्यूजिक और प्राइम रीडिंग जैसे ऑफर्स भी मिलते हैं।

अमेजन प्राइम डे 2020 डील्से के साथ उठाएं भरपूर फायदा

नई दिल्ली, 5 अगस्त (ए)। अमेजन 6 अगस्त 2020, गुरुवार को मध्य रात्रि से भारत में प्राइम डे की शुरुआत करने के लिए पूरी तरह तैयार है, जो अगले 48 घंटे तकक चलेगा। इसमें मेंबर्स को पूरे दो दिन तक उनके घर पर ही आराम और सुरक्षा के के साथ बेहतरीन शॉपिंग, सेविंग्स और ब्लॉकबस्टर एंटरटेनमेंट की पेशकश की जाएगी। प्राइम डे के दौरान नियमित अंतराल पर नई डील्सी के साथ, प्राइम मेंबर्स स्मार्टफोंस, कंज्यूपमर इलेक्ट्रॉनिक्से, टीवी, एप्ता वंसेस, अमेजन डिवाइसेस, फैशन और ब्यूटी, होम और किचन, दैनिक आवश्यक वस्तुओं व अन्यक उत्पोदों के शानदार चयन में से खरीदारी कर सकते हैं। क्या आप अभी तक प्राइम मेंबर नहीं हैं? फ्री डिलीवरी, अनलिमिटेड वीडियो, एड-फ्री म्यूजिक, एक्सक्लूसिव डील्स, लोकप्रिय मोबाइल गेम्स पर फ्री इन-गेम कंटेंट आदि जैसे प्राइम बेनेफिट्स का आनंद लेने के लिए 129 रुपए प्रति माह में अमेजन डाट इन प्राइम पर प्राइम मेंबर्स बनें। प्राइम के साथ हर दिन को बनाएं बेहतर -प्राइम को प्रत्येक दिन आपके जीवन को बेहतर बनाने के लिए डिजाइन किया गया है। दुनियाभर में 15 करोड़ से अधिक पेड प्राइम मेंबर्स प्राइम के कई बेनेफिट्स का आनंद ले रहे हैं। भारत में, इसमें शामिल है अनलिमिटेड फ्री शिपिंग, प्राइम वीडियो पर अवार्ड-विजेता फिल्मों और टीवी शो का अनलिमिटेड एक्सेस, प्राइम म्यूजिक पर लाखों एड-फ्री गानों का अनलिमिटेड एक्सेस, प्राइम रीडिंग पर 1000 से अधिक किताबों, मैग्जीन और कॉमिक्स का फ्री रोटेटिंग सिलेक्शन, फ्री इन-गेम कंटेंट और गेमिंग विध प्राइम के साथ बेनेफिट्स के लिए एक्सेस, एक्सक्लूसिव प्रोडक्ट्स्ट लॉन्च, शानदार डील्स तक पहले पहुंच आदि।

भारतीय अर्थव्यवस्था का बुरा दौर अब बीत चुका

मुंबई, 5 अगस्त (ए)। भारतीय अर्थव्यवस्था का बुरा दौर अब बीत चुका है। देश का कृषि क्षेत्र अर्थव्यवस्था को उबारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। ऐसा इसलिए क्योंकि बेहतर मानसून की उम्मीद है। अभी तक मानसून अच्छे तरीके से हुआ है। यह उम्मीद वित्त मंत्रालय की एक रिपोर्ट में जताई गई है।

भारत अब रिकवरी के रास्ते पर है: आर्थिक मामलों के विभाग की ओर से जारी जुलाई की मैक्रोइकोनॉमिक रिपोर्ट में कहा गया है कि अप्रैल के संकट के बाद भारत अब रिकवरी के रास्ते पर है। इसमें सरकार और रिजर्व बैंक की नीतियों से समर्थन मिला है। कृषि क्षेत्र कोरोना वायरस से प्रभावित अर्थव्यवस्था को उबारने में अहम रोल निभा सकता है। सितंबर, 2019 से व्यापार का रुख कृषि

क्षेत्र की ओर हुआ है जिससे ग्रामीण मांग बढ़ाने में मदद मिली है। इससे मार्च से जून, 2020 से ग्रामीण क्षेत्रों की मुख्य महंगाई दर बढ़ी है।

अब अनलॉक चरण शुरू है: रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत अनलॉक के फेज में है। इससे पता चलता है कि अर्थव्यवस्था का बुरा समय बीत गया है। कुछ इलाकों में अब शॉपिंग माल और अन्य गतिविधियां भी शुरू हो गई हैं। जैसे महाराष्ट्र ने मंगलवार से ही शॉपिंग मालों और दुकानों को रोजाना खोलने की अनुमति दे दी है। हालांकि, कोविड-19 के बढ़ते मामलों और विभिन्न राज्यों में बारी-बारी से लग रहे लॉकडाउन से जोखिम कायम है।

कृषि क्षेत्र की भूमिका अहम होगी: रिपोर्ट में कहा गया है कि 2020-21 में भारतीय अर्थव्यवस्था को कोविड-19 के

गेहूं की रिकॉर्ड खरीद से किसानों के हाथों में 75,000 करोड़ रुपए गए हैं

अनलॉक शुरू होने से देश में आर्थिक गतिविधियों में सुधार देखा जा रहा है

झटकों से उबरने में कृषि क्षेत्र की अहम भूमिका होगी। रिपोर्ट कहती है कि कोविड-19 के मामलों में बढ़ोतरी और इसकी वजह से राज्यों द्वारा कुछ-कुछ दिनों के लिए लगाए जा रहे लॉकडाउन से सुधार की संभावनाएं कमजोर पड़ रही हैं। ऐसे में इसकी निरंतर मॉनिटरिंग की जरूरत है।

लॉकडाउन में छूट से रबी की फसलों की समय पर कटाई हुई: रिपोर्ट कहती है कि लॉकडाउन से जल्दी और सही समय पर छूट दी गई, जिससे रबी फसलों की कटाई समय पर हो सकी। साथ ही खरीफ फसलों की बुवाई भी की जा सकी। गेहूं की रिकॉर्ड खरीद से किसानों के हाथों में 75,000 करोड़ रुपए गए हैं। इससे ग्रामीण इलाकों में निजी खर्च बढ़ाने में मदद मिलेगी। अर्थव्यवस्था में सुधार के कुछ संकेतों का उल्लेख करते हुए रिपोर्ट में कहा गया है कि औद्योगिक उत्पादन (आईआईपी) की गतिविधियों तथा 8 बुनियादी उद्योगों यानी कोर सेक्टर के उत्पादन में गिरावट अप्रैल की तुलना में मई में कम हुई है।

आईटीसी को सीआईआई ग्रीन बिजनेस सेंटर की तरफ से ग्रीन-को प्लेटिनियम रेटिंग मिली

नई दिल्ली, 5 अगस्त (ए)। आईटीसी के भद्राचलम स्थित विश्वस्तरीय पेपरबोर्ड्स एंड स्पेशियलिटी पेपर्स बिजनेस (पीएसपीबी) कारखाने को ग्रीन कंपनी रेटिंग सिस्टम के तहत कन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री (सीआईआई) ग्रीन बिजनेस सेंटर की ओर से ग्रीन को प्लेटिनियम रेटिंग मिली है। यह पल्प एंड पेपर सेक्टर का इकलौता और देश का दूसरा कारखाना है जिसे यह प्रतिष्ठित रेटिंग मिली है। पर्यावरण संरक्षण की दिशा में नेतृत्वकारी पहल और प्रतिबद्धता के लिए मिलने वाली यह प्रतिष्ठित रेटिंग सतत कारोबारी (सस्टेनेबल) गतिविधियों के प्रति आईटीसी की प्रतिबद्धता तथा जलवायु परिवर्तन से निपटने की दिशा में कंपनी के प्रयासों का प्रमाण है। आईटीसी 15 साल से कार्बन पॉजिटिव, 18 साल से वाटर पॉजिटिव और 13 साल से सॉलिड वेस्ट रिसाइक्लिंग पॉजिटिव है।

कोडक टीवी उत्तर प्रदेश के हापुड़ में लगाएगी प्लांट, अगले तीन वर्षों में करेगी 500 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश

नई दिल्ली, 5 अगस्त (ए)। कोडक टीवी इंडिया उत्तर प्रदेश के हापुड़ में टीवी मैन्युफैक्चरिंग प्लांट लगाएगी। इसके लिए कंपनी अगले तीन वर्षों में 500 करोड़ रुपये से अधिक निवेश करेगी। कोडक टीवी की भारत में ब्रांड लाइसेंसधारक कंपनी सुपर प्लास्ट्रोनिक्स प्राइवेट लिमिटेड ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि संयंत्र का पहला चरण 2021 के अंत तक चालू हो जाएगा। कंपनी ने कहा कि इससे कंपनी को अपने उत्पादों में लोकल वैल्यू एडिशन में मदद मिलेगी। इससे कंपनी भारत में सस्ते स्मार्ट टीवी बाजार में अपनी मौजूदगी दर्ज करा पाएगी। सुपर प्लास्ट्रोनिक्स के संस्थापक और सीईओ अवनीत सिंह मारवाह ने कहा, मेक इन इंडिया को लेकर अपनी प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाते और अपने एंड्रॉयड प्रमाणन का लाभ उठाते हुए कंपनी अगले तीन वर्षों में मैन्युफैक्चरिंग प्लांट पर 500 करोड़ रुपये से अधिक निवेश करेगी। उत्तर प्रदेश

के हापुड़ में लगने वाला यह संयंत्र पूर्णतया स्वचालित होगा। उन्होंने कहा कि इस संयंत्र के लगने के बाद टीवी मैन्युफैक्चरिंग में लोकल वैल्यू एडिशन बढ़कर 50 से 60 प्रतिशत हो जाएगा। सुपर प्लास्ट्रोनिक्स फांस के इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड थॉमसन की भी भारत में लाइसेंसधारक है। मारवाह ने कहा कि इस निवेश के जरिये हम कंपनी की निर्माण क्षमता को 10 लाख यूनिट तक पहुंचाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि भविष्य में हम अपने सभी प्रोजेक्ट्स को गुगल के साथ साझेदारी में भारत में ही पूरा करेंगे। मारवाह ने के अनुसार, हापुड़ के इस प्लांट में 2,000 लोगों को नौकरी मिल सकेगी। इस प्लांट के जरिये टीवी मैन्युफैक्चरिंग में स्थानीय योगदान में 50 से 60 फीसदी की वृद्धि हो जाएगी।

बैंक खाते में न्यूनतम बैलेंस न होने पर नहीं देना चाहते जुर्माना, तो करिए ये काम

नई दिल्ली, 5 अगस्त (ए)। अधिकांश बैंक अपने ग्राहकों से बचत खाते में न्यूनतम शेष राशि रखने के लिए कहते हैं। ऐसा न करने पर जुर्माना भरना होता है। बैंक का न्यूनतम बैलेंस 5,000 रुपये से 10,000 रुपये के बीच हो सकता है। शहरी, अर्ध-शहरी और ग्रामीण ब्रांच ग्राहकों के लिए न्यूनतम शेष गैर-रखरखाव शुल्क अलग-अलग होते हैं। बैंक ऑफ महाराष्ट्र, कोटक महिंद्रा बैंक और एक्सिस बैंक जैसे कुछ बैंकों ने 1 अगस्त, 2020 से न्यूनतम शेष राशि के गैर-रखरखाव के लिए अपने शुल्कों में बदलाव किया है। यदि खाता धारक न्यूनतम शेष राशि को बनाए रखने में विफल रहता है तो एक्सिस बैंक और कोटक महिंद्रा बैंक खाते के प्रकार के आधार पर जुर्माना लेते हैं। बैंक ऑफ महाराष्ट्र ने घोषणा की है कि इसकी न्यूनतम शेष राशि 1,500 से 2,000 रुपये तक बढ़ाई गई है। यदि कोई ग्राहक किसी खाते में इस राशि को बनाए रखने में विफल रहता है, तो बैंक अब प्रति माह 75 रुपये

तक का जुर्माना वसूल करेगा। ऐसे लोग जो मिनिमम एवरेज बैलेंस नहीं रख पाते उनके लिए कुछ सुझाव।

मूल बचत बैंक जमा (बीएसबीडी) खाता: यदि आप वेतनभोगी व्यक्ति हैं, तो उस स्थिति में आपके पास शायद ही पहले से ही एक शून्य शेष बचत खाता हो, क्योंकि ऐसे खातों की सुविधा आमतौर पर जॉब के साथ ही मिलती है। हालांकि, यदि आपके पास पहले से ऐसा खाता नहीं है, तो आप व्यक्तिगत उपयोग के लिए एक शून्य शेष खाता भी खोल सकते हैं। इन्हें बुनियादी बचत बैंक जमा (बीएसबीडी) खाता कहा जाता है और अधिकांश बैंक इन्हें समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के बीच वित्तीय समावेशन को बढ़ाने के लिए करते हैं। आप अपने ग्राहक-संबंधी (केवाईसी) प्रक्रिया को पूरा करके आसानी से बीएसबीडी खाता खोल सकते हैं। इसके अलावा, बैंक बीएसबीडी खातों पर उसी ब्याज दर की पेशकश करते हैं जैसे वे नियमित बचत बैंक खातों पर करते हैं। एक शून्य-शेष और नियमित बचत खाते के कार्यों में कोई अंतर नहीं है, बीएसडीएस खाते द्वारा दी जाने वाली सुविधाएं सीमित हो सकती हैं और बैंक से बैंक में भिन्न हो सकती हैं। एसबीआई ग्राहकों को बीएसबीडी खाता सुविधा भी देता है। हालांकि, यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि एसबीआई बीएसबीडी खाताधारकों के पास एसबीआई के साथ बचत खाता नहीं हो सकता है क्योंकि कोई व्यक्ति दोनों एसबीआई खातों में से किसी एक का लाभ उठा सकता है।

सुविधा: बेसिक रुपे 4 एटीएम-कम-डेबिट कार्ड निशुल्क जारी किया जाएगा और कोई वार्षिक रखरखाव शुल्क लागू नहीं किया जाएगा। केंद्र/राज्य सरकार द्वारा जमा किए गए चेक का जमा/संग्रह मुफ्त होगा। निष्क्रिय खातों की सक्रियता पर कोई शुल्क नहीं है। कोई खाता बंद करने का शुल्क नहीं है। एक महीने में अधिकतम 4 नकद निकासी, जिसमें खुद के एटीएम से निकासी और अन्य बैंक के एटीएम, ब्रांच चैनल पर नकद निकासी, एईपीएस नकद लेनदेन शामिल हैं।

शाओमी ने लॉन्च किया 5020 एमएएच बैटरी से लैस सस्ता स्मार्टफोन, कीमत 10 हजार से भी कम

नई दिल्ली, 5 अगस्त (ए)। किफायती स्मार्टफोन के तौर पर शाओमी ने रेडमी 9 प्राइम को लॉन्च कर दिया है। नए फोन में ठीक वैसी ही स्पेसिफिकेशन्स है, जैसी जून में स्पेन में लॉन्च हुए रेडमी 9 में देखने को मिली थी। फोन में वॉटरड्रॉप नॉच डिस्प्ले और मीडियाटेक हीलियो जी 80 प्रोसेसर के साथ आता है। फोटोग्राफी के लिए फोन में चार रियर कैमरे मिलते हैं। इसके अलावा इसमें रियर-माउंटेड फिंगरप्रिंट सेंसर, 18 वॉट फास्ट चार्जिंग सपोर्ट और एक इन्फ्रारेड ब्लास्टर भी हैं। यह चार कलर ऑप्शन में उपलब्ध होगा।

रेडमी 9 प्राइम स्मार्टफोन: भारत में कीमत और उपलब्धता: भारत में रेडमी 9 प्राइम के 64जीबी स्टोरेज वैरिएंट की कीमत 9,999 रुपए है जबकि

128जीबी स्टोरेज वैरिएंट 11,999 रुपए का है। दोनों मॉडल स्पेस ब्लू, मिंट ग्रीन, मैट ब्लैक, और सनराइज फ्लेयर कलर में उपलब्ध। फोन 6 अगस्त को सुबह 10 बजे पहली बार अमेजन प्राइम डे के दौरान अमेज़न के एलीएक्सेस सेल में भारत में बिक्री के लिए उपलब्ध होगा। एलीएक्सेस सेल के बाद, 17 अगस्त से फोन एमआई डॉट कॉम, अमेजन इंडिया, एमआई होम स्टोर्स और एमआई स्टूडियो से खरीदा जा सकेगा। बता दें, रेडमी 9 के 3जीबी+32जीबीस्टोरेज वैरिएंट को लगभग 13,200 रुपए की शुरुआती कीमत के साथ स्पेन में लॉन्च किया गया था, जबकि इसके 4जीबी+64जीबी स्टोरेज मॉडल की कीमत लगभग 15,800 रुपए थी। भारत में 3जीबीरैम वैरिएंट नहीं उतारा गया है।

रेडमी 9 प्राइम स्मार्टफोन: स्पेसिफिकेशन और फीचर्स: डुअल नैनो सिम सपोर्ट करने वाले रेडमी 9 एंड्रॉयड ओएस पर बेस्ड MIUI 11 पर काम करता है और इसमें कॉर्निंग गोरिल्ला ग्लास 3 सुरक्षा के साथ 6.53 इंच का फुल-एचडी प्लस आईपीएस डिस्प्ले है। फोन ऑक्टा-कोर मीडियाटेक हीलियो जी80 प्रोसेसर से लैस है, जिसे 4जीबी रैम के साथ जोड़ा गया है। फोन में चार रियर कैमरे हैं, जिसमें 13-मेगापिक्सल का प्राइमरी इमेज सेंसर और अल्ट्रा-वाइड-एंगल लेंस के साथ 8-मेगापिक्सल का सेकेंडरी इमेज सेंसर है जिसमें 118-डिग्री फील्ड ऑफ व्यू है। इसके अलावा इसमें 5-मेगापिक्सेल मैक्रो शूटर और 2-मेगापिक्सेल का डेप्थ सेंसर भी है। सेल्फी के लिए फ्रंट में 8-मेगापिक्सल कैमरा सेंसर भी है।

इरडा ने जीवन बीमा कंपनियों को ई-पॉलिसी जारी करने की दी अनुमति

नई दिल्ली, 5 अगस्त (ए)। कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों और सामान्य कारोबारी गतिविधियों में आ रही दिक्कतों को देखते हुए बीमा नियामक इरडा ने जीवन बीमा कंपनियों को इलेक्ट्रॉनिक तरीके से बीमा पॉलिसी यानी ई-पॉलिसी जारी करने की मंगलवार को अनुमति दे दी। भारतीय बीमा नियामक और विकास प्राधिकरण (इरडा) ने एक सर्कुलर जारी कर जीवन बीमा कंपनियों को पॉलिसी दस्तावेज को प्रकाशित कर बीमाधारक के पास भेजने के नियम से छूट दी है।

हालांकि, यह छूट सशर्त दी गयी है। इरडा ने कहा कि यह छूट 2020-21 के दौरान जारी की जाने वाली सभी बीमा पॉलिसियों के लिए मान्य रहेगी। विभिन्न बीमा कंपनियों के ग्राहकों तक पॉलिसी भेजने में आ रही दिक्कतों को लेकर चिंता व्यक्त करने के बाद इरडा ने यह निर्णय किया है। कंपनियों को ई-पॉलिसी को देखने-समझने के लिए ग्राहक को 30 दिन का समय देना होगा। साथ ही ग्राहकों से ई-पॉलिसी लेने को लेकर सहमति हासिल करनी होगी। यदि ग्राहक उसके बाद भी हार्ड कॉपी या दस्तावेज की मांग करता है तो कंपनियों को उसे वह भेजना होगा। इस बीच नियामक ने जीवन बीमा कंपनियों को प्रत्येक तिमाही उनकी निवेश रिटर्न इलेक्ट्रानिक माध्यम से भेजने की भी अनुमति दे दी है।

पिछले दिनों इरडा ने ठगी और धोखाधड़ी को लेकर लोगों को आगाह किया था। नियामक ने लोगों को बीमा कंपनियों या पंजीकृत एजेंटों से ही बीमा पॉलिसी लेने के लिए कहा था। इरडा ने कहा था कि आम लोगों या पॉलिसीधारकों को अज्ञात और गलत काम करने वाले तत्वों की तरफ से ललचाने-लुभाने वाले कॉल आते रहते हैं।

माहौल ठीक होने के बाद भी फुल टाइम ऑफिस नहीं लौटना चाहते कर्मचारी

नई दिल्ली, 5 अगस्त (ए)। महामारी फैलने के बाद से ही वर्क फ्रॉम होम का कल्चर तेजी से बढ़ा है। कई कंपनियों ने अपने कर्मचारियों को घर से काम करने की सलाह दी है, लेकिन इनमें कुछ कंपनियां ऐसी भी हैं जिन्हें लगता है यह कल्चर कारगर नहीं है। शायद इसका कारण यह भी हो सकता है कि कंपनी वर्क फ्रॉम होम को ठीक तरह से स्वीकार नहीं कर पा रही हैं।

एएजीक्यूटिव्स और शोधकर्ता कहते हैं कि सफेदपोश दफ्तरों के फिजिकल ऑफिस की तरह ही पुराने तरीकों को जारी रखा और महसूस किया कि यह काम नहीं कर रहा है। जिन कंपनियों ने अपने काम करने के तरीकों को बदला है, उन्होंने ज्यादा सफलता हासिल की है। कुछ मामलों में इन कंपनियों में बातें समान हैं। यहां कम मीटिंग होती हैं जो बड़ी होती हैं और एक के बाद एक चलती हैं। उन्होंने काम पर फोकस करने के लिए मीटिंग पी टाइम दिया है, काम करने के लिए अपने हिसाब से समय चुनने की आजादी और सहकर्मियों को सोशलाइज करने के तरीके खोजे हैं।

संकट के कारण ज्यादा मुश्किल हुई है रिमोट वर्किंग बच्चों की केयर में कमी, बीमार होने या नौकरी जाने की चिंता जैसे महामारी के साइड इफेक्ट्स ने रिमोट वर्किंग को मुश्किल कर दिया है। हालांकि, इसके बावजूद कर्मचारी घर से ही काम करने की बात से संतुष्ट हैं। ज्यादातर लोगों का कहना है कि सुरक्षित तौर पर ऑफिस खुलने के बाद भी वे केवल पार्ट टाइम में वहां जाना चाहते हैं और हफ्ते के कई दिनों तक घर से ही काम करना चाहते हैं। को-क्रिएट वर्क की फाउंडर लाकीता विलियम्स का कहना है कि इस बात का मतलब है, एम्प्लॉयर्स को पता करना होगा कि यह सब ठीक से कैसे काम करेगा।

कंपनियों के सही कल्चर न बनाने के कारण फेल हुई वर्क फ्रॉम होम विलियम्स ने कहा, वर्क फ्रॉम होम शुरू करने वाली कुछ बड़ी कंपनियों का कहना है कि यह असफल रहा। इसके फेल होने का एक बड़ा कारण यह भी है कि कंपनियों ने ऐसा कल्चर तैयार ही नहीं किया जो इसे सपोर्ट करे।

माइक्रोसॉफ्ट में टीमों ने तुरंत यह महसूस किया कि एक घंटे या उससे ज्यादा कि अस्थाइ एजेंडा वाली मीटिंग ऑनलाइन ज्यादा बेहतर रहीं। एक के बाद एक मीटिंग में मुश्किलें थीं। ऑफिस में लोग रेस्टरूम, खाने या फोन चैक करने के लिए एक मीटिंग से निकल दूसरी मीटिंग में जाने के दौरान मिले ब्रेक पर निर्भर रहते हैं।

11 प्रतिशत कम हुईं 1 घंटे से ज्यादा की मीटिंग्स माइक्रोसॉफ्ट में बिजनेस सॉफ्टवेयर पर काम कर रही 400 लोगों की टीम ने देखा कि एक घंटे से ज्यादा की मीटिंग 11 प्रतिशत तक कम हुई हैं। जबकि आधे घंटे की मीटिंग में 22 फीसदी का इजाफा हुआ है। माइक्रोसॉफ्ट में मॉडर्न वर्कप्लेस ट्रांसफॉर्मेशन के लिए कॉर्पोरेट वाइस प्रेसिडेंट एमा विलियम्स के मुताबिक, वन ऑन वन मीटिंग्स 18 फीसदी तक बढ़ी हैं। कुछ सहकर्मियों ने सोशल वीडियो मीटिंग्स की शुरुआत की है। जो लोग प्रोजेक्ट या रिचार्ज पर काम कर रहे हैं उनके लिए शुक्रवार को नो मीटिंग डे बनाया गया है। इसके अलावा माइक्रोसॉफ्ट एक और चुनौती का सामना कर रही है। ऑफिस के बजाए घर से काम करने के कारण काम और जीवन की रेखा धुंधली हो गई है। टीम ने पाया कि शाम 6 से रात 10 तक ऑनलाइन चैटिंग में 52 प्रतिशत की बढ़त हुई है। काम को बेहतर ढंग से संभालने के दो तरीके हो सकते हैं मददगार कुछ लोगों के लिए काम के घंटों को शिफ्ट करना मददगार लगता है, क्योंकि वे इस दौरान अपने बच्चों की देखभाल या एक्सरसाइज कर लेते हैं।

मैनेजर्स भी जीवन और काम के बीच बाउंड्री को प्रोत्साहित करना चाहते हैं। इसका एक समाधान यह हो सकता है कि ऐसा टूल, जिसके जरिए कर्मचारी अपने कलीग को मैसेज लिखे जो अगले वर्किंग डे तक डिलीवर न हो। इसके अलावा एक तरीका हो सकता है मैनेजर और एम्पालइज के बीच ज्यादा से ज्यादा वन ऑन वन मीटिंग। पीआर की जैसी माइक्रोसॉफ्ट से काफी छोटी कंपनियां भी इस तरह की रणनीति पर काम कर रहीं हैं। शुरुआत में उन्होंने लोगों को दोपहर या पूरे दिन की छुट्टी के साथ-साथ अपने पसंद का समय चुनने दिया, लेकिन बाद में पाया गया कि इससे साथ मिलकर काम करना बहुत मुश्किल हो रहा था। अब उन्होंने इंटरनल मीटिंग के समय को सुबह 10 से दोपहर 3 बजे तक सीमित कर दिया है। इससे लोगों को हर सुबह अपने काम पर फोकस करने और बच्चों और दूसरी जरूरतों के लिए समय निकालने में आसानी होगी।

एग्जीक्यूटिव्स और शोधकर्ताओं के अनुसार रिमोट वर्किंग को बेहतर बनाने के लिए ये 5 बदलाव करने चाहिए- काम के लिए निश्चित समय कर्मचारियों से हर समय उपस्थित रहने की उम्मीद करने का कोई मतलब नहीं है। शोधकर्ताओं ने कहा कि इसके बजाए कंपनियों को साथ में और अकेले काम करने के बीच समय तय कर लेना चाहिए। इसके अलावा इस बात पर फोकस करना चाहिए कि काम ऑनलाइन रहते हुए ही पूरा कर लिया जाए। लोग दिन की शुरुआत और अंत को मार्क करने की रस्म भी बना सकते हैं। साथ ही कंपनियों को यह साफ कर देना चाहिए कि कर्मचारियों को तुरंत मैसेज का जवाब देने की जरूरत नहीं है। काम का आकलन करें समय का नहीं लोग यह जान गए हैं कि उनका मूल्यांकन ऑफिस में बिताए गए समय के आधार पर किया जाता है। मैनेजर्स को इस बात को लेकर स्पष्ट होना चाहिए कि दिए गए काम को लेकर वे क्या उम्मीद करते हैं और यह कब तक पूरा होना चाहिए। शोधकर्ताओं का कहना है कि काम कैसे पूरा होगा इस बात को कर्मचारियों पर छोड़ दें और 9 से 5 के शेड्यूल की चिंता न करें।